killed in Srinagar on 19-7-1994. Investigation of the case has been handed over to a Special Investigation Team by the Government of J & K. It would be premature to indicate any further details at this stage.

(d) to (f) Government have consistently been apprising the international community, including the US Government, through diplomatic and other channels, about the sponsorship of cross-border terrorism by Pakistan, and the dangers inherant in continuation of such support of terrorism by Pakistan. Government will continue to pursue these efforts intensively.

पूजा स्थल पर सुरक्षा-बलों की तैनाती

2940. **मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या तीर्थ स्थलों और पूजा स्थलों के आसपास सुरक्षा बलों/सैनिकों को बारंबार तैनात किये जाने की प्रवृत्ति आजकल बढ़ गयी है;

(ख) क्या इनें बारंबार तैनात किये जाने से देश के रक्षा कर्मियों का साम्प्रदायिकीकरण हो रहा है; और

(ग) यदि हां, तो सरकार इस खतरनाक प्रवृत्ति से रक्षा कर्मियों को बचाने के लिए क्या उपाय कर रही है?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी॰एम॰ सईद): (क) केन्द्रीय अर्द्ध सैनिक बलों इत्यादि को राज्यों के विशेष अनुरोध पर, लोक-व्यवस्था बनाए रखने के लिए, जो राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है, उन की सहायता के लिए तैनात किया जाता है।

(ख) जी नहीं, श्रीमान्।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

दंगों और उपद्रवों में वृद्धि

2941. **मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वर्तमान सरकार के शासन काल में दंगे और उपद्रव बढ़े हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि इन दंगों और उपद्रवों में अधिक नुकसान अल्पसंख्यकों का हुआ है;

(ग) क्या यह भी सच है कि अधिकांश दंगे और उपद्रव सुनियोजित ढंग से किये गये थे और सरकार ने उनको रोकने के लिए कोई प्रभावकारी कदम नहीं उठाये थे;

(घ) इस सब के बारे में विस्तृत ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या हाल ही में बारपेटा, असम में अल्पसंख्यकों का नरसंहार किया गया और उस समय केन्द्र के मंत्रीगण भी वहां मौजूद थे; और

(च) सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट): (क) जी नहीं, श्रीमान्।

(ख) दंगों में सभी समुदायों के लोग प्रभावित होते है। तथापि, समुदाय-वार ब्यौरा नहीं रखा जाता है।

(ग) जी नहीं, श्रीमान्।

(घ) प्रश्न ही नहीं उठता।

(ङ) से (च) असम के बारपेटा जिले में 19 से 24 जुलाई, 1994 तक व्यापक हिंसा हुई है। असम-राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार, 19 जुलाई, 1994 को बारपेटा जिले के बारपेटा थाना क्षेत्र में बोड़ो और गैर-बोड़ो लोगों के बीच जातीय हिंसा भड़क उठी। इन वारदातों से प्रभावित हुए गांव हैं-मतंगा, बोन्साजापाथर, नरसिंहबाड़ी, भाकुआपाथर, धेकियाजानी, देचाजापथर, बिल्लासीपाड़ा, खरसागुड़ी, मेलाकच्छी, चारवाड़ी, निभुआ, चेंगलीमारी, बोकलीजान, हरनपाड़ा, दोलहपुर, चकुआगुड़ी, बोरधोपे, नोरहझार और कटाइझार। 19 जुलाई, 1994 को भड़की हिंसा 20 और 21 जुलाई, 1994 को अन्य गांवों में फैल गई। 19—21 जुलाई, 1994 के बीच हुई हिंसात्मक वारदातों के परिणामस्वरूप 250 मकानों को आग लगा दी गई तथा 16 व्यक्तियों को जान से हाथ धोना पड़ा। एक मामले में, 20 जुलाई, 1994 को पुलिस की गोलीबारी के कारण तीन शरारती तत्वों के मारे जाने की खबर है। 21 जुलाई के अपराह्न के बाद से 23 जुलाई, 1994 की रात तक कोई वारदात नहीं हुई। 23 और 24 जुलाई, 1994 के बीच की रात को गैर-कानूनी बोड़ो सिक्यूरिटी फोर्स के उग्रवादियों ने बांसबाड़ी स्थित राहत शिविर पर पहरा दे रहे पुलिस दल तथा शिविर में शरण लिए हुए लोगों पर आक्रमण कर दिया। पुलिस दल ने जवाब में गोली चलाई। बोड़ो सिक्यूरिटी फोर्स के उग्रवादियों ने शिविर के दो तरफ से ट्रेसर बुलेट्स से फायरिंग शुरू कर दी जिसमें छप्पर वाले मकानों में आग लग गई।